CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

इफको, जीसीएमएमएफएल शीर्ष तीन वैश्विक सहकारी समितियों में शामिल

हाल ही में जारी वर्ल्ड कोऑपरेटिव मॉनिटर (WCM) 2021 की रिपोर्ट में भारतीय किसान उर्वरक सहकारी (IFFCO) और गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (GCMMFL), जो अमूल ब्रांड का मालिक है, को शीर्ष 300 की सूची में विश्व स्तर पर पहले और तीसरे स्थान पर रखा गया है। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर कारोबार के अनुपात के आधार पर सहकारी समितियों की पहचान की गई।

कृषि और खाद्य उद्योग खंड में, इफको और जीसीएमएमएफएल रैंकिंग में पहले और दूसरे स्थान पर रहे। उद्योग और उपयोगिता खंड में, उरालुंगल श्रम अनुबंध सहकारी समिति (यूएलसीसीएस), केरल स्थित प्राथमिक सहकारी समिति वैश्विक रैंकिंग में दूसरे स्थान पर रही। कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) भी टर्नओवर/प्रति व्यक्ति जीडीपी आधार पर छठी सबसे बड़ी कंपनी के रूप में कृषि-खाद्य खंड में आती है।

वार्षिक WCM रिपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (ICA) द्वारा सहकारी और सामाजिक उद्यमों पर यूरोपीय अनुसंधान संस्थान (Euricse) के वैज्ञानिक और तकनीकी समर्थन से तैयार की जाती है।

आविन परिसर में आईओसी आउटलेट खोला गया

चेपॉक - तिरुवल्लिकेनी विधायक उदयनिधि स्टालिन ने बुधवार को अंबत्तूर में आविन परिसर में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOC) के एक खुदरा ईंधन आउटलेट का उद्घाटन किया। आईओसी द्वारा ₹ 2.15 करोड़ की लागत से निर्मित, आउटलेट आविन स्टाफ द्वारा चलाया जाएगा। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनी ने तमिलनाडु कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स फेडरेशन से जमीन लीज पर ली थी, जो डेयरी उत्पादों के आविन ब्रांड का मालिक है, और उन्हें वार्षिक किराए का भुगतान करेगी। ईंधन आउटलेट दूध लॉरियों को पूरा करेगा।

सूत्रों ने कहा कि आईओसी ने कैदियों द्वारा संचालित खुदरा दुकानों को चलाने के लिए कारागार विभाग के साथ करार किया है, जो अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। उपस्थित लोगों में डेयरी विकास मंत्री एस.एम. नसर, हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती मंत्री पी.के. शेखरबाबू, सचिव डेयरी विकास टी.के. जवाहर, आविन के प्रबंध निदेशक एन. सुब्बैयन, आईओसी के खुदरा प्रमुख पी. कुमारवेल और तिरुवल्लुर कलेक्टर एल्बी जॉन वर्गीज।

केएमएफ ने नंदिनी घी ब्रांड की सुरक्षा के लिए क्यूआर कोड की योजना बनाई

मैसूरु में एक गोदाम पर छापे के दौरान हजारों किलोग्राम नकली नंदिनी घी मिलने के एक दिन बाद, कर्नाटक सहकारी दुग्ध उत्पादन संघ लिमिटेड (केएमएफ) ने कहा कि राज्य भर में औचक निरीक्षण किया जाएगा और नंदिनी उत्पादों के उत्पाद प्रमाणीकरण को बहुत जल्द शुरू किया जाएगा।

केएमएफ के प्रबंध निदेशक और सीईओ बीसी सतीश ने 14 दुग्ध संघों के अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा, "अगले छह महीनों के लिए, प्रत्येक संघ की एक टीम नियमित ग्राहकों के रूप में दुकानों का दौरा करेगी और दुकानों से घी के 5 से 10 पैकेट खरीदेगी। जिसे लैब में टेस्ट किया जाएगा। हमारा लक्ष्य सभी 21,000 बिक्री बिंदुओं की जांच करना है।

मैसूरु डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स सोसाइटीज यूनियन लिमिटेड के अध्यक्ष पी एम प्रसन्ना ने कहा कि क्यूआर-कोड-आधारित प्रमाणीकरण प्रणाली की मांग पहले ही की जा चुकी है। हम उनमें से एक को केएमएफ अध्यक्ष के निर्णय के आधार पर पेश करेंगे। सबसे अच्छा विकल्प समझने के लिए जल्द ही ट्रायल रन किए जाएंगे।

पीएम मोदी ने गुरुवार को वाराणसी में बनास डेयरी प्लांट का उद्घाटन किया

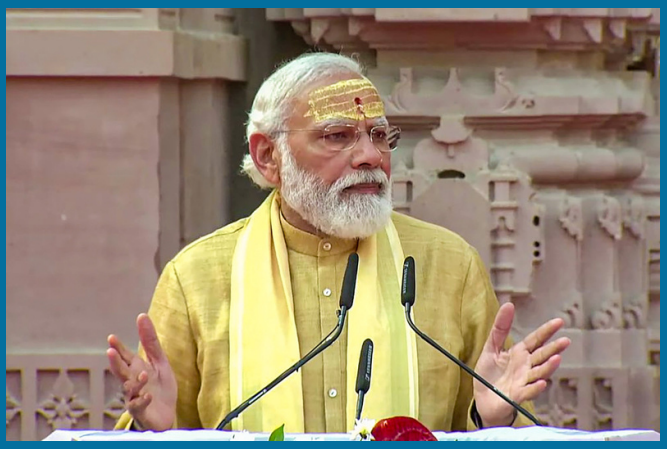

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा कर करखियां में बनास डेयरी काशी संकुल की आधारशिला रखेंगे। इस परियोजना का उद्देश्य पूर्वांचल क्षेत्र के किसानों और दुग्ध उत्पादकों को सशक्त बनाना और सस्ती कीमतों पर अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराना है। पीएम मोदी 2020-21 के लिए साल के अंत में लाभांश के रूप में लगभग 1,75,000 दूध किसानों के बैंक खातों में 35.19 करोड़ रुपये डिजिटल रूप से स्थानांतरित करेंगे।

जुलाई 2021 में बनास डेयरी ने मॉडल डेयरी फार्मिंग के लिए वाराणसी के किसान परिवारों को सर्वश्रेष्ठ देशी नस्लों की 100 गायें उपलब्ध कराईं। इन किसानों को पशुपालन और डेयरी फार्म प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया और पशुपालन के लिए निरंतर मार्गदर्शन की व्यवस्था की गई।

वर्तमान में वाराणसी में 111 स्थानों से प्रतिदिन 25,000 लीटर से अधिक दूध की खरीद की जाती है। बनास डेयरी अब लखनऊ और कानपुर के बाद वाराणसी में अपना तीसरा प्लांट लगा रही है। इसकी क्षमता 5 लाख लीटर प्रतिदिन होगी, जिसे 10 लाख लीटर प्रतिदिन तक बढ़ाया जा सकता है और 475 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 30 एकड़ भूमि पर बनाया जाएगा।

प्लांट से प्रतिदिन 50,000 लीटर आइसक्रीम, 20 टन पनीर, 75,000 लीटर छाछ, 50 टन दही, 15,000 लीटर लस्सी और 10,000 किलोग्राम मिठाई का भी उत्पादन होगा। इस परियोजना से वाराणसी, जौनपुर, मछलीशहर, चंदौली, भदोही, गाजीपुर, मिर्जापुर और आजमगढ़ जैसे पूर्वांचल क्षेत्र के 1,000 पड़ोसी गांवों के स्थानीय किसानों को लाभ होगा और उन्हें प्रति माह उनके दूध के लिए 8,000-10,000 रुपये मिलेंगे। ग्राहकों को सस्ती कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद भी मिलेंगे। प्रवक्ता ने कहा कि इस परियोजना से संयंत्र में 750 लोगों, संबद्ध कार्यों में लगभग 2,350 लोगों और गांवों में लगभग 1,00,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है।

नई सहकारिता नीति जल्द : अमित शाह

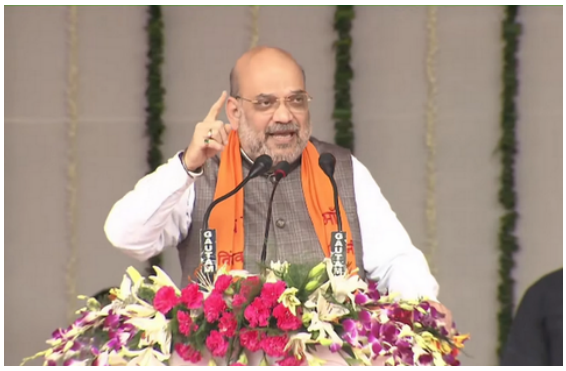

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जो सहकारिता मंत्री भी हैं, ने रविवार को घोषणा की कि केंद्र जल्द ही जमीनी स्तर पर सहकारी समितियों की पहुंच बढ़ाने और सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने के लिए एक नई व्यापक सहकारी नीति का अनावरण करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने बहु-राज्य सहकारी समितियों के लिए एक प्रभावी नियामक तंत्र स्थापित करने और मौजूदा अधिनियम में खामियों को दूर करने के लिए बहु-राज्य सहकारी समिति अधिनियम 2002 में संशोधन करने का निर्णय लिया है।

पुणे में वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान (वैमनिकॉम) में वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही प्राथमिक कृषि समितियों (पीएसी) को कम्प्यूटरीकृत करेगी और इन्हें जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों के साथ जोड़ेगी जो बदले में सहकारी बैंकों के लिए एक निर्बाध और पारदर्शी वित्तीय प्रणाली स्थापित करने के लिए राज्य सहकारी बैंकों और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के साथ जुड़ेगी।

मंत्री ने कहा कि सरकार देश में एक प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए काम कर रही है जो भूमि का ऑडिट करेगी और जैविक उत्पादों को प्रमाणित करेगी ताकि किसानों को अधिक कीमत मिल सके। अमूल और अन्य इस पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि इफको, अमूल, लिज्जत पापड़ और कृभको जैसी सहकारी समितियों ने दूध और उर्वरक जैसे क्षेत्रों में एक मील का पत्थर हासिल किया है, उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों ने राष्ट्र के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हरियाणा नई स्टार्टअप-नीति लाएगा: डिप्टी सीएम चौटाला

हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार एक नई स्टार्टअप नीति बनाएगी, जो गांव के प्रतिभाशाली युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और उन्हें आर्थिक रूप से सफल बनाने के लिए गेम-चेंजर साबित होगी। आज सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए चौटाला ने अधिकारियों को नई स्टार्टअप नीति में ऐसा प्रावधान करने का निर्देश दिया ताकि ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों के युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी तकनीक प्रदर्शित करने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के युवाओं को नए शोध और पेटेंट के क्षेत्र में वित्तीय सहायता प्रदान कर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

डिप्टी सीएम ने अधिकारियों को नीति में ऐसा प्रावधान करने का निर्देश दिया ताकि राज्य के पिछड़े क्षेत्रों के युवाओं को **कृषि, डेयरी और बागवानी** जैसे क्षेत्रों में अपना स्टार्टअप शुरू करने में सुविधा हो. उन्होंने ग्रामीण युवाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने और सब्सिडी का प्रावधान करने के लिए कदम उठाने को कहा। उन्होंने कहा कि नई स्टार्टअप नीति राज्य के विकास और रोजगार में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

यह बताया गया कि आजकल 99 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप सूचना प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं, लेकिन नई स्टार्टअप नीति में युवाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि के क्षेत्र में स्टार्टअप शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

दूध प्रसंस्करण में नेतृत्व की भूमिका के लिए वेरका को मिला उत्कृष्ट पुरस्कार

पंजाब राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड (मिल्कफेड पंजाब) के प्रमुख ब्रांड वेरका, जो पंजाब के डेयरी उत्पादों की खरीद और विपणन के लिए शीर्ष निकाय है, को दूध प्रसंस्करण में नेतृत्व की भूमिका के लिए सम्मानित किया गया है। भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला द्वारा वाई एस परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी-सोलन, हिमाचल प्रदेश में आयोजित प्रगतिशील कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2021 में कृषि उद्यमी कृषक विकास चैंबर द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया गया। मिल्कफेड पंजाब के प्रबंध निदेशक कमलदीप सिंह संघ ने यह पुरस्कार प्राप्त किया।

इसका खुलासा करते हुए मिल्कफेड पंजाब के एमडी श्री संघा ने बताया कि मिल्कफेड पंजाब को यह पुरस्कार उत्तर भारत में अत्याधुनिक डेयरी प्रोसेसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि हाल के वर्षों में मिल्कफेड पंजाब ने कई नवीन और नई पहल की हैं। इस तरह के प्रयासों की एक श्रृंखला में, लगभग 300 करोड़ रुपये के परिव्यय से मिल्कफेड ने वेरका मोहाली डेयरी में नई और आधुनिक किण्वित डेयरी, वेरका मेगा डेयरी बस्सी पठाना में एक सड़न रोकनेवाला दूध पैकेजिंग इकाई, वेरका अमृतसर डेयरी में स्वचालित डेयरी और वेरका जालंधर डेयरी में अत्याधुनिक मिल्क पाउडर प्लांट स्थापित किया है।

CEDSI ने तिरुमाला डेयरी के लिए एक औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर डेयरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) ने बैंगलोर में तिरुमाला डेयरी के कर्मचारियों के लिए दो दिवसीय औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। तिरुमाला डेयरी के 40 कर्मचारियों को दुग्ध अधिप्राप्ति एवं इनपुट सुपरवाइजर की नौकरी की भूमिका के लिए प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण तेलुगु भाषा में दिया गया था।

CEDSI भारत में डेयरी कौशल विकास के लिए काम करने वाला एक स्वायत्त संगठन है। इसका उद्देश्य कौशल और क्षमता निर्माण, नीति समर्थन, ज्ञान प्रबंधन और अनुसंधान के माध्यम से डेयरी क्षेत्र में स्थिरता और लाभप्रदता सुनिश्चित करना है। CEDSI संपूर्ण डेयरी मूल्य श्रृंखला में संपूर्ण कौशल विकास और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करता है।

वित्त वर्ष 2022 में चीनी, उर्वरक, डेयरी क्षेत्रों की लाभप्रदता स्थिर रहेगी: आईसीआरए

वित्तीय वर्ष 21-22 को बंद करने के लिए केवल तीन महीने शेष हैं, रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने बुधवार को कहा कि चीनी, उर्वरक और डेयरी क्षेत्रों की लाभप्रदता वित्त वर्ष 22 में स्थिर रहेगी। सब्यसाची मजूमदार, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और ग्रुप हेड, आईसीआरए ने कहा कि कोविड-19 का घरेलू डेयरी उद्योग पर मध्यम प्रभाव पड़ा है। मांग पक्ष पर, तरल दूध खंड (जो राजस्व के आधे से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है) काफी हद तक स्थिर रहा है, लेकिन मूल्य वर्धित डेयरी उत्पादों की खपत में संकुचन देखा गया था।

हालांकि, हाल के महीनों में, दूध और गैर-दूध उत्पादों दोनों में एक मजबूत पुनरुद्धार हुआ है, जो संस्थागत और होटल, रेस्तरां और खानपान क्षेत्रों के खुलने से समर्थित है। ICRA को उम्मीद है कि उद्योग वित्त वर्ष 2022 के लिए 9-11% राजस्व और अगले तीन वर्षों में 7-10% CAGR रिकॉर्ड करेगा।

आपूर्ति पक्ष पर, महामारी से प्रभावित दूध उत्पादन स्तर, पशु प्रजनन और गर्भाधान की अवधि के साथ, खरीद मूल्य को ऊंचे स्तर पर रखने की उम्मीद है, जो मुद्रास्फीति की लागत के रुझान और स्थिर बिक्री कीमतों के साथ मिलकर वित्त वर्ष 2022 में उद्योग के मार्जिन को कम कर देगा। हम उम्मीद करते हैं कि संगठित डेयरी खिलाड़ियों की क्रेडिट प्रोफ़ाइल स्थिर रहेगी, उपाध्यक्ष और सेक्टर प्रमुख, आईसीआरए।